

प्रेषक,

आर०के०तोमर,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 10 दिसम्बर 2015

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अंतर्गत राज्य सेक्टर की आयोजनागत पक्ष की योजना "वन मोटर मार्गों तथा अश्व मार्गों का सुदृढीकरण" में धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन उत्तराखण्ड के पत्र सं० नि०-368/3-5(व०मो०मार्ग) दि० 20.08.2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान सं०-27 के अंतर्गत राज्य सेक्टर की आयोजनागत पक्ष की योजना "वन मोटर मार्गों तथा अश्व मार्गों का सुदृढीकरण" हेतु निम्न विवरणानुसार ₹100.00 लाख (एक करोड़ मात्र) की धनराशि अवमुक्त कर व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

अनुदान संख्या-27

आयोजनागत

(धनराशि हजार ₹ में)

लेखा शीर्षक/मानक मद योजना का नाम	आवंटित धनराशि
4406-वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय	
01-वानिकी	
101-वन संरक्षक और विकास	
03-वन मोटर मार्गों तथा अश्व मार्गों का सुदृढीकरण	
25-लघु निर्माण कार्य	5000
29-अनुरक्षण	5000
योग	10000

(एक करोड़ मात्र)

- मानक मद 25-लघु निर्माण कार्य में आवंटित धनराशि से प्रस्तावित प्रत्येक निर्माण कार्य की लागत ₹5.00 लाख से अधिक न हो अर्थात् इस धनराशि से ₹5.00 लाख तक की ही लागत के निर्माण कार्य कराये जाए। सर्वप्रथम गत वर्षों के अवशेष कार्य पूर्ण किये जाय तदोपरांत ही नए कार्यों हेतु धनराशि अवमुक्त की जाय।
- धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश सं०-400/XXVII(1)/2015 दि० 1.4.2015 में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबंधों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाये।
- अवमुक्त की जा रही धनराशि से मात्र योजना से सम्बन्धित कार्य ही कराया जाना सुनिश्चित करें एवं ऐसे कार्य न कराए जिन हेतु राज्य सेक्टर में अलग से योजना उपलब्ध हैं, यदि योजना से इतर कार्यों को कराना पाया गया तो इस हेतु सम्बन्धित अधिकारी उत्तरदायी होगा।
- कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि सम्बन्धित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत/कराया न हो।

.....2



5. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों के प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
6. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आंगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण एवं तदोपरान्त वित्तीय/प्रशासनिक और तकनीकी/प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर ही आहरण एवं व्यय किया जायेगा।
7. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
8. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कराये जाने वाले कार्यों की सूचना सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जन सेवा विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0-638/XXX-1-12(25)2011, दि0 8 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेबसाइट [www.ua.nic.in](http://www.ua.nic.in) तथा विभाग की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जायेगी और उन्हें समय-समय पर अध्यावधिक किया जायेगा।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के आयोजनागत पक्ष में उपरोक्त तालिका में वर्णित लेखाशीर्षक की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा। कम्प्यूटरीकृत अलोटमेंट ID-S1512270072 दिनांक 08.12.2015 संलग्न है।

3- ये आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दि0 01.04.2015 के अनुपालन में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।


भवदीय,

(आर0के0तोमर)  
संयुक्त सचिव

संख्या-5154/X-2-2015-12(55)/2012 तदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
6. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
7. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

  
(आर0के0तोमर)  
संयुक्त सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Forest (S016)

आवंटन पत्र संख्या - 5154/X-2-2015-12(55)/2012

अनुदान संख्या - 027

अलोटमेंट आई डी - S1512270072

आवंटन पत्र दिनांक - 08-Dec-2015

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

- 1: लेखा शीर्षक 4406 - वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय 01 - वानिकी  
101 - वन संरक्षण और विकास  
00 - वन मोटर मार्गों का सुदृढीकरण 03 - वन मोटर मार्गों तथा अश्व मार्गों का सुदृढीकरण

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
24 - ब्रह्म निर्माण कार्य	4756000	0	4756000
25 - लघु निर्माण कार्य	0	5000000	5000000
29 - अंतरक्षण	0	5000000	5000000
	4756000	10000000	14756000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 10000000